

-याचक (अपुत्र संदी)

केस का सं० ओर तारीख	आदेश ओर अधिकारी का हस्ताक्षर 23.11.20-21 20.10.20 रिजिन की संख्या अधिवक्ता 50 जपसवाल वगैरे वसुध जपसवाल वगैरे	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ
1	23.11.20-21 - रिजिन कर जपसवाल वगैरे 2	3

27  
5.7.22

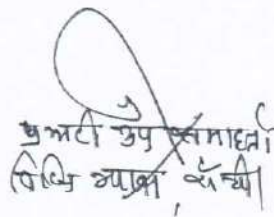
Again appellant is found absent on call.  
put up on 2.8.22.



D.C. Ranche

28  
2.8.22

रिजिस्ट्रार की ओर से उपस्थिति नहीं की गई थी।  
उपाधुक्ता के द्वारा उक्त विवाहसम्बन्धी का मतानुगत रजिस्ट्रार के  
रजिस्ट्रार के कार्यालय का कार्य नहीं किया जा सका। अधिलेख  
दिनांक 9.09.22 के अन्तर्गत



अधीन उपस्थिति  
रिजिस्ट्रार, दिल्ली

29  
09.09.22

रिजिस्ट्रार की ओर से उपस्थिति  
नहीं की गई थी। on call found  
absent. Put up on 29.11.22

D.C. Ranche.

30  
29.11.22

रिजिस्ट्रार की ओर से उपस्थिति  
नहीं की गई थी। The instant revision  
has been preferred on 9.10.22  
and since then the same is  
pending for hearing on the point -

स का सं०  
र तारिख

देश ओर पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई कार्रवाई  
के बारे में टिप्पणी तारिख  
के साथ

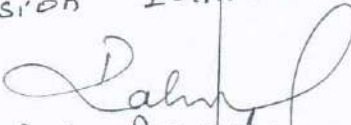
1

2

3

of admission. It is apparent from the record that the revision petitioner is highly irregular in pursuing the revision. There has been any development either in the form of submitting show cause, reply appearing physically or argumentation from the revision petitioner since a very long time. On call today also found absent. It appears that the revision petitioner has lost interest in pursuing the revision and does not intend to proceed further.

For these reasons aforementioned without delving into the merits of the case the instant revision is hereby dismissed for default at admission stage itself due to non appearance of the revision petitioner.

  
D.C. Barche.